हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 2 फरवरी 2026

13 सूर्य नमस्कार के अभ्यास से ही होगा समग्र रूपांतरण: अनिल

14 टोहाना में श्रद्धापूर्वक मनाया गुरु रविदास का 649वां जन्मोत्सव

केन्द्रीय बजट में आयकर सीमा न बढ़ने से टैक्स पेयर्स व मिडल क्लास में निराशा

दशकों से रेल की सीटी का इंतजार कर रहे लोगों को सरकार ने दिया झटका

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को संसद में पेश अपने 9वें बजट में आयकर सीमा नहीं बढ़ाई गई। आयकर सीमा न बढ़ाने से आम करदाताओं व मिडल क्लास को बजट ने निराश किया है। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय बजट में फतेहाबाद की पुरानी मांग रेलवे लाइन पर कोई चर्चा न होना व जिले में कृषि आधारित कोई एग्री परियोजना की घोषणा न होने से लोगों में मायूसी है। इतना ही नहीं, फतेहाबाद व आसपास के जिलों के लिए किसी भी परियोजना का जिक्र न होने से यहां के लोगों को झटका लगा है। इस बारे फतेहाबाद के प्रसिद्ध विशेषज्ञों ने अपनी राय प्रकट की है।

आम बजट पर प्रतिक्रिया

फतेहाबाद के हाथ खाली : मनदीप

प्रगतिशील किसान मनदीप नथवान ने बजट को दिशाहीन बताते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने न केवल फतेहाबाद बल्कि पूरे प्रदेश को कुछ नहीं दिया। खाली प्रत्येक जिले में गर्ल्स हॉस्टल खोलना, बुनियादी ढांचे को मजबूत नहीं करेगा। इसके अलावा युवाओं को रोजगार, कृषि आधारित उद्योग, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं व शिक्षा के सुधारीकरण पर जोर देना जरूरी था। स्वास्थ्य क्षेत्र में फतेहाबाद जिला काफी पिछड़ा हुआ है। इसमें सुधार की जरूरत है लेकिन सरकार ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया।

केन्द्रीय बजट दूरगामी सोच वाला : भादू

अनाज मण्डी व्यापार मंडल के प्रधान जगदीश भादू के अनुसार सरकार ने वैश्विक आर्थिक मंदी को देखते हुए लोक-लुभावन घोषणाओं के बजाय ठोस बुनियादी ढांचे और विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित किया है। मध्यम वर्ग और वेतनभोगी तबके को टैक्स स्लैब में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद थी, जो इस बजट में दिखाई नहीं दी। कुल मिलाकर, बजट दूरगामी सोच वाला है, लेकिन इसका असली प्रभाव जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन पर निर्भर करेगा।

केंद्रीय बजट राजकोषीय अनुशासन विकास के प्रति विश्वास और जन केंद्रित सुधारों का स्पष्ट संकेत : बराला

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए इसे परिपक्व दूरदर्शी और सुधारोन्मुखी बताया। उनका कहना है कि यह बजट भारत की समष्टि आर्थिक नींव को सुदृढ़ करता है और राष्ट्रीय विकास के केंद्र में जन कल्याण उत्पादकता और लचीलापन स्थापित करता है। यह बजट मोदी सरकार के कर्तव्य संकल्प और समर्पण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह बजट विकसित भारत 2047 की दिशा में एक विश्वसनीय रोडमैप प्रस्तुत करता है। बराला ने कहा कि यह बजट स्पष्ट संकेत देता है कि भारत जिम्मेदारी के साथ विकास का मार्ग अपनाएगा। राजकोषीय स्थिरता को बाधा नहीं बल्कि दीर्घकालिक विकास का सक्षमकर्ता माना जा रहा है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि पहले कर्तव्य विकास को तेज और टिकाऊ बनाने के अंतर्गत बजट में सात रणनीतिक और उभरते विनिर्माण क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेप पारंपरिक उद्योगों का पुनरोद्धार चैंपियन एमएसएमई का निर्माण अवसंरचना पर सशक्त जोर दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा तथा सिटी इकोनॉमिक रीजन के विकास का प्रस्ताव है। बराला ने कहा कि ये कदम प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाएंगे रोजगार सृजन करेंगे और क्षेत्रीय लचीलापन मजबूत करेंगे।

देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का कार्य किया : जोड़ा

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने केंद्रीय बजट को सर्वकल्याणकारी बताते हुए कहा कि यह बजट देश के गरीब, किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक संतुलन का भी विशेष ध्यान रखा गया है। यह बजट भारत को आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। प्रवीण जोड़ा ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 का मुख्य उद्देश्य विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, उद्योग प्रोत्साहन, कृषि सशक्तिकरण और मध्यम वर्ग को राहत प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग को कर राहत, उद्योगों को बढ़ावा, कृषि एवं ग्रामीण विकास में सुधार तथा इंफ्रास्ट्रक्चर में रिकॉर्ड निवेश के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का कार्य किया गया है।

आत्मनिर्भर और 'जॉब क्रिएटर' बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम : कबीर

सीएलयू लाइसेंस व रेरा एक्सपर्ट कबीर के अनुसार इस वर्ष का बजट युवाओं की आकांक्षाओं, कौशल विकास और रोजगार सृजन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। वित्त मंत्री ने शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट, स्टार्टअप्स, एमएसएमई और नए उद्योगों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया है, जिससे युवाओं के लिए नए अवसर खुलेंगे। इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग में बढ़ता निवेश भविष्य में बड़े स्तर पर रोजगार सृजन कर सकता है। हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, डिजाइन और एवीजीएस जैसे नए क्षेत्रों पर फोकस युवाओं को पारंपरिक नौकरियों से आगे बढ़कर नए करियर विकल्प देगा। हालांकि, इन योजनाओं का प्रभाव अधिकतर दीर्घकालीन है, जिससे वर्तमान में नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को तुरंत राहत कम मिल सकती है। समग्र रूप से यह बजट युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर और 'जॉब क्रिएटर' बनाने की दिशा में एक सकारात्मक और दूरदर्शी कदम है।

गरीब, किसान, युवा, महिला व मध्यम वर्ग के हित सुरक्षित किए : दुड़ाराम

पूर्व विधायक दुड़ाराम ने संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट को विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की दिशा में मजबूत और दूरदर्शी कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट तथ्यों, आंकड़ों और स्पष्ट प्राथमिकताओं के साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला है, जिसमें गरीब, किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग सभी के हित सुरक्षित किए गए हैं। दुड़ाराम ने कहा कि बजट में पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) को लगातार ऊंचे स्तर पर बनाए रखना सरकार की विकासोन्मुख सोच को दर्शाता है। बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर निवेश से सड़क, रेल, लॉजिस्टिक्स और आवास क्षेत्र में रोजगार के लाखों अवसर सृजित होंगे। दुड़ाराम ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमिता और वित्तीय समावेशन को मजबूत किया गया है, जिससे लाखों महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी।

बजट पर प्रतिक्रिया

सिरसा: सत्तापक्ष ने सर्वहितकारी वहीं विपक्ष ने बताया निराशाजनक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को संसद में पेश किए गए बजट को सर्वहितकारी बताया है, वहीं विपक्ष ने इसे निराशाजनक करार दिया है। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह एडवोकेट ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे सर्वहितकारी बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट देश के विकास को और अधिक गति प्रदान करेगा। बजट में देश में सात नए हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनाने की बड़ी घोषणा की है, ये कॉरिडोर भारत के प्रमुख शहरों को तेज और बेहतर तरीके से जोड़ेंगे, इससे यात्रा का समय बहुत कम हो जाएगा और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

5000 सेकेंडरी स्कूल और 500 कॉलेज खोले जाएंगे : यतिंद्र सिंह

भाजपा जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में वित्त मंत्री ने बड़े ऐलान करते हुए 15000 सेकेंडरी स्कूल और 500 कॉलेज खोले जाएंगे, हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल खोले जाएंगे, ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद बनाए जाएंगे। भाजपा नेता ने कहा कि विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर उच्च स्तरीय समिति के गठन, विद्युत वित्त निगम और ग्रामीण विद्युतीकरण निगम के पुनर्गठन का प्रस्ताव रखा गया है। विदेशी मुद्रा प्रबंधन नियमावली की व्यापक समीक्षा के साथ कॉरपोरेट बॉन्ड्स पर पूर्ण रिटर्न स्वैप शुरू करने के साथ-साथ प्रस्ताव व बड़े शहरों में अधिक मूल्य के म्युनिसिपल बॉंड को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा कृषि प्रधान राज्य है। बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था, फसल विविधीकरण, पानी संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर है। रेयर अर्थ मिनरल्स, क्रिटिकल मिनरल्स और बायोफार्मा जैसे क्षेत्रों में नए प्लान से हरियाणा के किसानों और एग्री-इंडस्ट्री को फायदा होगा। राज्य की मेरा पानी-मेरी विरासत जैसी योजनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन मिलेगा।

शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद : रमेश साहुवाला

लायंस क्लब सिरसा अमर के संस्थापक एडवोकेट रमेश साहुवाला ने वित्तमंत्री द्वारा पेश किए गए बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बजट शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए बेहद ही फायदेमंद हैं जिससे जनता को कम पैसे में शिक्षा मिलेगी और बीमारियों के लिए भी दवाइयां कम पैसों में मिलगी। साहुवाला ने कहा कि इस बजट में आयकर की छूट सीमा में कोई बदलाव नहीं किया जबकि संशोधित आयकर रिर्टन दाखिल करने की सीमा 31 दिसम्बर से बढ़ा कर 31 मार्च करना एक सराहनीय कदम हैं जिससें करदाताओं को अपनी आयकर रिर्टन संशोधित करने का ज्यादा समय मिलेगा।

चुनिंदा वर्गों को लाभ पहुंचेगा लाभ : बियाणी

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता आनंद बियाणी ने कहा कि प्रस्तुत किया गया केंद्रीय बजट देश के चुनिंदा वर्गों को लाभ पहुंचाने वाला बजट है और इसमें हरियाणा के गांवों, किसानों और युवाओं के लिए कुछ भी नया नहीं है जिससे वे अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट आमजन की उम्मीदों पर पूरी तरह से खरा नहीं उतरता। यह बजट गरीब, किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग के लिए निराशाजनक साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बजट में बड़े बड़े दावे तो अवश्य किए थे मगर जमीन पर आमजन के लिए कुछ भी राहत देने वाला नहीं है।

बजट को निराशाजनक बताया : राजकुमार

प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि राजकुमार शर्मा ने केंद्रीय बजट को निराशाजनक बताया है। अपनी प्रतिक्रिया में शर्मा ने कहा कि इस बजट में ऐसा कुछ नहीं, जिससे आम आदमी को राहत मिले। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार हमेशा पूंजीपतियों की पक्षधर रही है। केंद्र्र सरकार ने यूपीए शासन में शुरू की गई मनरेगा जैसी महत्वाकांक्षी योजना को कमजोर कर यह साबित कर दिया है कि वह गरीबों की बिलकुल हितैषी नहीं और यह बजट भी पूंजीपतियों के हित साधने के लिए बनाया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

नशे के ओवरडोज की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

- मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

क्षेत्र के गांव थेड़ी में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक की मौत होने का समाचार है। युवक की मौत का कारण नशे की ओवरडोज मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि युवक चिट्टे का इंजेक्शन लगाकर निकला था। इस बारे रविवार को सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का पता चल पाएगा। मिली जानकारी के अनुसार, गांव सौत्र भट्टू निवासी सुनील कुमार शनिवार शाम को गांव थेड़ी में गया था। परिजनों का आरोप है कि वह गांव थेड़ी में एक घर से नशा लेने गया था। जैसे ही वह नशे की डोज लेकर बाहर निकला तो गली में गिर गया। इसके बाद उसकी मौत हो गई। मृतक युवक तीन बच्चों का पिता था। इस बारे परिजनों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सदर थाना फतेहाबाद के प्रभारी प्रहलाद सिंह का कहना है कि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि युवक की मौत नशे की ओवरडोज से हुई है। उसके बाद आगामी कार्रवाई होगी। इस मामले में जिले में नशे के खिलाफ मुहिम चला रहे महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह ने आरोप लगाया कि गांव थेड़ी में घर में नशा बेचा जा रहा है।

भाजपा कार्यालय में चलाया बजट का लाइव प्रसारण

- बजट में कुल पूंजीगत व्यय 12 .2 लाख करोड़ रुपये रखा गया
- नए टैक्स ढांचे के तहत 12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री कर मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दी गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। बीजेपी कार्यालय में बजट को सुनते पार्टी पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

भारत सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट रविवार को संसद में प्रस्तुत किया गया। लोकसभा से केंद्रीय बजट का सीधा लाइव प्रसारण आज भाजपा जिला कार्यालय में चलाया गया। इस अवसर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, जिला प्रभारी सुरेंद्र आर्य भी मौजूद रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि बजट में कुल पूंजीगत व्यय 12.2 लाख करोड़ रुपये रखा गया है, जिससे बुनियादी ढांचे को नई गति मिलेगी। एमएसएमई और उद्योगों के लिए 10,000 करोड़ रुपये का सहायता फंड तथा बायो-फार्मा सेक्टर के लिए 10,000 करोड़ रुपये का विशेष निवेश पैकेज घोषित किया गया है। नए टैक्स ढांचे के तहत 12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री कर मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दी गई है। बीजेपी नेताओं ने कहा कि बजट में 7 उच्च गति रेल कॉरिडोर और 20 से अधिक राष्ट्रीय जलमार्ग परियोजनाओं का विस्तार देश की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। आयकर प्रणाली को सरल, पारदर्शी और डिजिटल बनाकर आम नागरिकों को सुविधा प्रदान की गई है। इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग, स्टार्टअप, कृषि, ग्रामीण विकास, शहरी विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्रों में किए गए प्रावधान रोजगार बढ़ाने और व्यापार को आसान बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि यह बजट रोजगार सृजन पर विशेष फोकस रखते हुए राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने और सार्वजनिक व निजी निवेश को बढ़ावा देने वाला है। यह बजट देश की अर्थव्यवस्था को लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर की दिशा में आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर जिला प्रभारी सुरेंद्र आर्य, जगदीश शर्मा, सविता टुटेजा, अशोक जाखड़, कंवल चौधरी, शम्मी ढींगडा, विकास शर्मा, ललित जग्गा, जगदीश नायक, सुल्तान नायक, पूनम सिंगला, भारती सचदेवा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बजट समीक्षा : घाटे को नियंत्रित करना सकारात्मक संकेत : विशेषज्ञ

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

सीए राजिंदर नारंग, पूर्व सचिव, नार्थ इंडिया रीजनल कौंसिल आफ सीए

वैश्विक आर्थिक मंदी और अनिश्चितता के माहौल के मद्देनजर केन्द्र सरकार ने लोकलुभावन घोषणाओं के बजाय दीर्घकालीन आर्थिक विकास को प्राथमिकता देते हुए वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया है। केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, एमएसएमई और रोजगार सृजन पर केंद्रित है। यह बजट देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। आयकर रिवाइज्ड रिटर्न भरने की समय सीमा बढ़ाना एक अच्छा कदम है। पूंजीगत व्यय में वृद्धि और नए उद्योगों को प्रोत्साहन से भविष्य में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। टैक्स प्रक्रियाओं को सरल बनाने के कदम आम करदाताओं और छोटे व्यापारियों के लिए राहतकारी हैं। साथ ही, सरकार द्वारा राजकोषीय अनुशासन बनाए रखना और घाटे को नियंत्रित करना एक सकारात्मक संकेत है। कौशल विकास पर जोर युवाओं के भविष्य को मजबूत करेगा। हालांकि, इन योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा जब उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। हालांकि, मध्यम वर्ग और छोटे व्यवसायों को तत्काल राहत की अपेक्षा थी। ग्रामीण क्षेत्रों में मांग बढ़ाने और आय सृजन पर और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। समग्र रूप से यह बजट संतुलित, व्यावहारिक और दीर्घकालीन विकास की दिशा में उठाया गया जिम्मेदार कदम है।

खबर संक्षेप

ट्रांसफार्मर से तेल चोरी करने के दो आरोपी काबू

फतेहाबाद। सीआईए रतिया ने बिजली ट्रांसफार्मर से तेल चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को काबू किया है। सीआईए रतिया प्रभारी सहायक उप निरीक्षक रिछपाल ने बताया कि बिजली निगम से प्राप्त लिखित शिकायत के आधार पर थाना सदर रतिया में अभियोग दर्ज किया था।

हेरोइन सहित तीन युवक गिरफ्तार, एक फरार

फतेहाबाद। नशा तस्करों की धरपकड़ करते हुए जिला पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से तीन युवकों को काबू कर इनके कब्जे से हेरोइन बरामद की है। पहले मामले में पुलिस टीम गश्त व पड़ताल के दौरान रकबा धारसूल कलां में नहर की पटरी के पास युवक को काबू किया। दूसरे मामले में युवक से 10.04 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। वहीं तीसरे मामले में 6.17 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

फतेहाबाद। हड़ताल की तैयारियों में जुटे सर्व कर्मचारी संघ के पदाधिकारी।

12 की देशव्यापी हड़ताल में शामिल होंगे हजारों कर्मचारी, फतेहाबाद में संगठनों ने भरी हुंकार

फतेहाबाद। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और विभिन्न कर्मचारी संगठनों के आह्वान पर आगामी 12 फरवरी को होने वाली देशव्यापी हड़ताल की तैयारियों को लेकर फतेहाबाद के बिजली बोर्ड स्थित यूनियन कार्यालय में जन संगठनों की एक अहम बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्व कर्मचारी संघ, सीटू, एटक, इंटक, रिटायर्ड कर्मचारी संघ और आईसीटीयू सहित विभिन्न परियोजनाओं के वर्कर्स ने हिस्सा लिया। कर्मचारी व मजदूर नेताओं ने एक स्वर में कहा कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियां मजदूर, किसान और कर्मचारी विरोधी हैं, जो आम जनमानस को गुलामी की ओर धकेल रही हैं। बैठक में मांग की गई कि 29 श्रम कानूनों को खत्म कर लागू किए गए चार लेबर कोड्स को तुरंत रद्द किया जाए। न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपए लागू हो और आंगनबाड़ी, आशा, मिड-डे मील, वन मजदूर व ग्रामीण सफाई कर्मियों समेत सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए। पुरानी पेंशन योजना की बहाली हो और सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण पर रोक लगे। एमएसपी की कानूनी गारंटी हो, बिजली बिल और बीज विधेयक को रद्द किया जाए। वीबी-जी राम जी योजना को रद्द किया जाए। बैठक को संबोधित करते हुए राजेश चौबारा, मुंशीराम कंबोज, सुभाष चंद्र चौहान, बेगराज और अन्य नेताओं ने कहा कि 21 नवंबर 2025 से लागू किए गए लेबर कोड मजदूरों को कॉरपोरेट का गुलाम बनाने की दिशा में एक कदम हैं।

मौसम 3 एमएम बारिश दर्ज, गेहूं की फसल के लिए बनी वरदान

पश्चिमी विक्षोभ का असर: फतेहाबाद में हल्की बारिश, ठंडी हवाओं से बदला मौसम

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। शहर में छाई धुंध व बादलवाही। फोटो : हरिभूमि

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से रविवार अलसुबह फतेहाबाद में बादल छा गए और हल्की बरसात दर्ज की गई। रविवार को दिनभर बादल छाये रहे और तेज ठंडी हवाएं चलती रही। बरसात के बाद यहां के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। रविवार को यहां का अधिकतम तापमान 22 डिग्री व न्यूनतम तापमान 10 डिग्री दर्ज किया गया। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि बरसात और ऐसा मौसम गेहूं की फसल के लिए काफी लाभदायक है।

मौसम विभाग ने 2 व 3 फरवरी को प्रदेश के उत्तरी-दक्षिणी जिलों में बूंदाबांदी व बरसात की संभावना जताई है। 4 फरवरी के बाद फिर तापमान में गिरावट आएगी। मौसम विभाग ने सप्ताहभर पूर्व ही 31 जनवरी रात को पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के बाद बूंदाबांदी व बादलवाही की भविष्यवाणी की थी।

ठीक उसके अनुरूप देर रात को मौसम बदला और सुबह हलकी बारिश के बाद बादल छा गए। जिले में 3 एमएम औसत बारिश दर्ज की गई। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि आज की बारिश गेहूं के लिए वरदान है। यह बारिश और ठंडा मौसम गेहूं, सरसों समेत सभी फसलों के लिए लाभदायक है। बारिश रुक-रुक कर हो रही है, यह और भी अच्छा है। इससे फसल की पैदावार अच्छी होगी। हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि प्रदेश में मौसम आमतौर पर 4 फरवरी तक परिवर्तनशील रहने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 2 व 3 फरवरी को राज्य के उत्तरी व दक्षिणी जिलों में कहीं कहीं बूंदाबांदी या हल्की बारिश हहो सकती है, परंतु 4 फरवरी से मौसम खुश्क व शीत हवाएं चलने की संभावना है, जिससे रात्रि तापमान में फिर से गिरावट आएगी।

क्या कहते हैं कृषि विशेषज्ञ

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यह बारिश और ठंडा मौसम गेहूं, सरसों समेत सभी फसलों के लिए लाभदायक है। बारिश रुक-रुक कर हो रही है, यह और भी अच्छा है। इससे फसल की पैदावार अच्छी होगी। सरसों की फलियां बन रही हैं, वह अच्छी बनेगी, क्योंकि इस समय बारिश की जरूरत थी। गेहूं में भी बालियां निकलने का समय है। हल्की बारिश से पूरे प्रदेश में गेहूं का उत्पादन भी बढ़ेगा। हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गेहूं विशेषज्ञ डॉ. ओपी बिश्नोई ने बताया कि ओलावृष्टि से गेहूं को अभी कोई खास नुकसान नहीं पहुंचेगा, क्योंकि अभी गेहूं के पौधे में बालियां नहीं आई हैं। अगर बालियां निकलने के बाद ओले गिरते तो नुकसान बढ़ सकता था। इस ओलावृष्टि से सरसों को नुकसान पहुंचेगा, क्योंकि सरसों में फूल और 50 प्रतिशत फलियां निकली हुई हैं। ओले गिरने से इनके झड़ने का डर है।

गणतन्त्र दिवस

भारत का संविधान, देश का सर्वोच्च विधान है। यह संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। यह दिन (26 नवम्बर) भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है, जबकि 26 जनवरी का दिन देश में गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के संविधान का मूल आधार भारत सरकार अधिनियम (1935) को माना जाता है। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है।

स्वाधीन और गणतंत्र भारत में हरियाणा का महायोगदान

1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा।

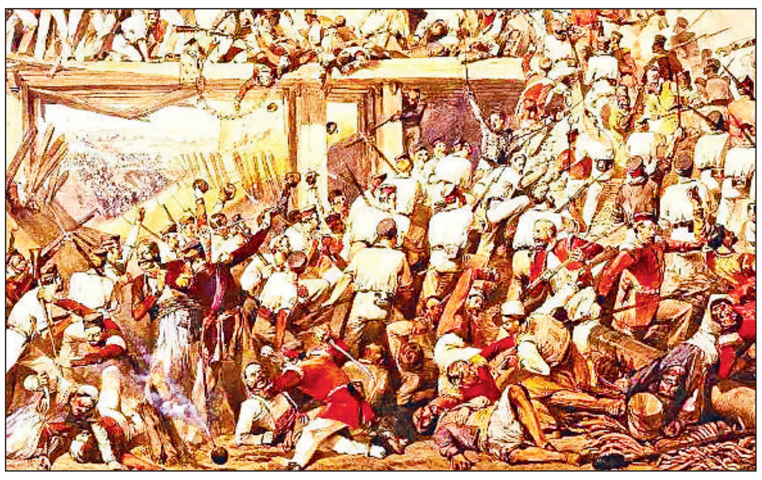

आजादी

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भौगोलिक दृष्टि से 'दिल्ली की देहरी' या 'भारत का प्रवेश द्वार' कहे जाने वाले हरियाणा का चरित्र वैदिक काल से ही कर्म और शौर्य का रहा है। यह वही भूमि है जहां महाभारत के धर्मयुद्ध में 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' का उद्घोष हुआ। इसी संस्कार ने कालांतर में विदेशी दासता के विरुद्ध एक प्रबल प्रतिरोध को जन्म दिया। 1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र

बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा। आज उस कालखंड की यात्रा करते हैं जब हरियाणा के वीरों ने अपने रक्त से भारत के मस्तक पर आजादी का तिलक लगाया। इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में अक्सर 10 मई 1857 को मेरठ से क्रांति की शुरुआत मानी जाती है, लेकिन ऐतिहासिक दस्तावेज और स्थानीय लोकगाथाएं इसकी गवाही देती हैं कि क्रांति का वास्तविक बीजारोपण और प्रथम विस्फोट अंबाला की छावनी में हुआ था। मेरठ की घटना से लगभग 9 घंटे पूर्व, अंबाला छावनी में 60वीं नेटिव इन्फेंट्री और 5वीं नेटिव इन्फेंट्री ने विद्रोह की योजना बना ली थी। यह योजना अत्यंत व्यापक थी, जिसमें चर्च में अंग्रेजों पर हमला करना शामिल था। दुर्भाग्यवश, एक गद्दार सैनिक की मुखबिरी के कारण अंग्रेजों ने समय रहते हथियार जब्त कर लिए। यद्यपि अंबाला का विद्रोह दबा दिया गया, लेकिन इसने पूरे उत्तर भारत में अंग्रेजों के मन में भय का संचार कर दिया। जो इस बात का प्रमाण था कि हरियाणा की मिट्टी में विद्रोह के बीज अंकुरित हो चुके थे।

रेवाड़ी और अहीरवाल क्षेत्र में क्रांति का नेतृत्व राव तुलाराम और उनके चचेरे भाई गोपाल देव ने किया। उन्होंने स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर अंग्रेजों को कर देना बंद कर दिया। 16 नवंबर 1857 को नारनौल के पास नसीबपुर के मैदान में जो युद्ध हुआ, वह 1857 की क्रांति के सबसे भीषण युद्धों में गिना जाता है। अंग्रेज अधिकारी कर्नल गेरार्ड के नेतृत्व वाली सेना और राव तुलाराम के वीरों के बीच हुए इस युद्ध में नारनौल की धरती लाल हो गई थी। कर्नल इस युद्ध में मारा गया, लेकिन संसाधनों के अभाव में राव तुलाराम को पीछे हटना पड़ा। वे तांत्या टोपे और अन्य क्रांतिकारियों से संपर्क साधने और विदेशी सहायता प्राप्त करने के लिए काबुल चले गए, जहां 1863 में उनकी मृत्यु हुई। उनकी स्मृति में आज भी हरियाणा 23 सितंबर को 'शहीदी दिवस' मनाता है। हरियाणा में क्रांति केवल राजाओं तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह सर्वखाप और जन-सामान्य का युद्ध था। हिसार और हांसी में लाला हुकम चंद जैन और मिर्जा मुनीम बेग ने क्रांति की मशाल थामी। जब अंग्रेज वापस लौटे, तो उनका दमन चक्र इतना क्रूर था कि हांसी की एक सड़क पर क्रांतिकारियों को लिटाकर उन पर भारी रोड रोलर चलवा दिए गए। वह सड़क आज भी 'लाल सड़क' के नाम से जानी जाती है। इसी प्रकार बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह ने दिल्ली की सुरक्षा का जिम्मा उठाया। उन्होंने अंग्रेजों को दिल्ली में घुसने से रोकने के लिए कड़ा संघर्ष किया। अंततः धोखे से उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके जन्मदिन के ही दिन चांदनी चौक पर सार्वजनिक रूप से फांसी दी गई। भिवानी जिले के गांव रोहनात के क्रांतिकारियों ने 29 मई 1857 को गांव से 19 किलोमीटर दूर तोशाम स्थित सरकारी खजाने पर हमला करके उसे लूट लिया। बाद में उन्होंने हिसार के गुजरी महल स्थित एक जेल पर हमला किया और वहां कैद कई क्रांतिकारियों को छुडा लिया। रोहनात के ग्रामीणों के नेतृत्व में क्रांतिकारियों ने हांसी में ग्यारह और हिसार में 12 अंग्रेज अफसरों को मार डाला। इन क्रांतिकारियों में पुट्ठी मंगलखान, मंगाली, हाजिमपुर और जमालपुर जैसे आस-पास के गांवों के निवासी भी शामिल थे। इस कारण बाद में अंग्रेजों ने पूरे गांव को तोप से उड़ा दिया और बची हुई जमीन को नीलाम कर दिया। रोहनात के स्वाभिमानी लोगों ने आजादी के बाद भी दशकों तक तिरंगा नहीं फहराया, जब तक कि उनका सम्मान पूर्णतः बहाल नहीं हुआ। 1858 में हरियाणा को समृद्ध उत्तर-पश्चिमी प्रांत (आगरा-अवध) से अलग कर पंजाब में मिला दिया गया। यह केवल भौगोलिक हस्तांतरण नहीं था, बल्कि हरियाणा के विकास को अवरुद्ध करने का षड्यंत्र था। नहरी पानी रोका गया, शिक्षा के द्वार बंद किए गए और सरकारी नौकरियों में भेदभाव किया गया। इस घोर निराशा के काल में आर्य समाज एक प्रकाश स्तंभ बनकर उभरा। 1880 में स्वामी दयानंद सरस्वती ने रेवाड़ी आकर न केवल गोशाला की स्थापना की, बल्कि स्वदेशी और स्वराज का मंत्र भी दिया। आर्य समाज ने हरियाणा के ग्रामीण अंचल में शिक्षा का प्रसार किया और अंधविश्वासों को तोड़ा। लाला लाजपत राय ने हिसार को अपनी कर्मभूमि बनाया। आर्य समाज के मंचों से ही राष्ट्रीयता की भावना जन-जन तक पहुंची।

बाबू बालमुकुंद गुप्त, विशंभर नाथ कौशिक और पंडित श्रीराम शर्मा जैसे बुद्धिजीवियों ने अपनी कलम को हथियार बनाया। पंडित श्रीराम शर्मा का पत्र 'हरियाणा तिलक' और जाट गजट जैसे अखबारों ने लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। 'मिक्स्चर' और 'शिवशंभु के चिट्ठे' जैसे व्यंग्यों के माध्यम से अंग्रेजी शासन की बखिया उधेड़ी गई। अंग्रेजों से डोमिनियन स्टेटस की उम्मीद में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हरियाणा के हजारों युवाओं ने अपनी जान दी, लेकिन बदले में जलियांवाला बाग और काला कानून 'रोलेट एक्ट' मिला। 1919 में जब महात्मा गांधी इस दमनकारी कानून के विरोध में पंजाब जा रहे थे, तो 10 अप्रैल को उन्हें हरियाणा के पलवल रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया। यह महात्मा गांधी की भारत में पहली राजनीतिक गिरफ्तारी थी। 1920 से 1922 में असहयोग आंदोलन के दौरान पंडित नेकीराम शर्मा का कद बहुत बढ़ गया तो अंग्रेजों ने उन्हें खरीदने की कोशिश की और जमीन का लालच भी दिया। उनका कहना था, 'मुझे तो संपूर्ण भारत की भूमि चाहिए।' उन्हें 'हरियाणा केसरी' की उपाधि दी गई। रोहतक, भिवानी और अंबाला में विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई। 1930 में दांडी मार्च के दौरान समुद्र विहीन हरियाणा में भी नमक कानून तोड़ा गया। रेवाड़ी, हिसार और अंबाला में खारा पानी उबालकर या मिट्टी से नमक बनाकर प्रतीकात्मक विरोध किया गया। इस आंदोलन की खास बात यह थी कि इसमें हरियाणवी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में हरियाणा का उग्र रूप देखने को मिला। 'करो या मरो' का नारा गांवों में गूंज उठा। डाकखाने, रेलवे स्टेशन और सरकारी इमारतें को निशाना बनाया गया।

> **यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है।**

इस आंदोलन में कालका की बेटी अरुणा आसफ अली ने जो शौर्य दिखाया, वह इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। जब कांग्रेस के सभी बड़े नेता जेल में थे, तब अरुणा आसफ अली ने मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में तिरंगा फहराकर आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्हें '1942 के आंदोलन की रानी' कहा जाता है। इसी प्रकार स्वतंत्रता संग्राम में चौधरी छोटूराम की भूमिका महत्वपूर्ण रही। उन्होंने 'साहूकार पंजीकरण एक्ट' और 'कर्ज माफी' जैसे कानूनों के जरिए किसानों को आर्थिक गुलामी से मुक्त कराया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' के आह्वान का सबसे गहरा असर हरियाणा के युवाओं पर पड़ा। उस समय के संयुक्त पंजाब से आजाद हिंद फौज में भर्ती होने वाले सैनिकों में सबसे बड़ी संख्या हरियाणा के क्षेत्रों रोहतक, झज्जर, भिवानी और महेंद्रगढ़ से थी। मेजर सूरजमल, कर्नल मेहरदास और कैप्टन कंवल सिंह जैसे वीरों ने इंफाल और कोहिमा के मोर्चों पर ब्रिटिश सेना के छक्के छुड़ा दिए थे। सिंगापुर और बर्मा के जंगलों में लड़ते हुए हजारों हरियाणवी सपूतों ने शहादत दी। स्वतंत्रता संग्राम केवल अंग्रेजों को भगाने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह सामंतवादी शक्तियों से मुक्ति और एक अखंड गणतंत्र के निर्माण की भी लड़ाई थी। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ, लेकिन हरियाणा के कई हिस्सों में संघर्ष अभी बाकी था। हरियाणा में लोहारू, पटौदी, दुजाना और जींद जैसी कई रियासतें थीं जहां नवाबों और राजाओं का शासन था। यहां की जनता दोहरी गुलामी झेल रही थी, एक अंग्रेजों की और दूसरी स्थानीय शासकों की। लोहारू के नवाब के अत्याचारों के खिलाफ किसानों ने लंबा संघर्ष किया। 1946-47 में प्रजामंडल आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया, जिसके कारण अंततः नवाब को झुकना पड़ा और लोहारू का भारत संघ में विलय हुआ। पटौदी और दुजाना में भी बाबू दयाल शर्मा और अन्य नेताओं के नेतृत्व में प्रजामंडल ने रियासतों के लोकतंत्रीकरण और भारत में विलय के लिए आंदोलन चलाया। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि हरियाणा का कोई भी हिस्सा राजशाही के अधीन नहीं रहा।

1857 की क्रांति के पहले शहीद से लेकर 1947 के अंतिम संघर्ष तक और फिर 562 रियासतों के एकीकरण के महायज्ञ तक, हरियाणा ने जो आहुति दी है, वह अविस्मरणीय है। यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों अज्ञात शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है। हरियाणा के इन वीरों की गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्र-आराधना के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

कविता **कृष्ण गोपाल विद्यार्थी**

चुनाव घोषणा पत्र

पंच बणया सरपंच बणया पर कोन्या पार बसाई
एमएलए का लड़ूं इलैक्शन इब के जी म्हं आई

भाण-भाईयो इब कै सारे मिलकै जोटा ला दो
किसे ढाल अपणे भाई नै चण्डीगढ पहुँचा दो
मेहर करो कट ज्या मेरी भी माया की करड़ाई...

थमनै बेरा सै मैं कदै भी झूठी बात ना करता
चोगरदे कै देख लिया अक चौधर बिन ना सरता
थम जणो सो नहीं सेधती लीडर नै महँगाई...

एमएलए बणग्या तै थारे सारे काम करूँगा
मीठे पाणी की ठूठी हर घर म्हं लगवा दयूंगा
जोहड़ के पाणी नै कद तक पीवैंगे लोग लुगाई...

दिल्ली मैट्रो के आवण म्हं कती ना होगी देरी
हर पाने म्हं बणें स्टेशन रहैगी कोशिश मेरी
हर टेसन पे करैंगे स्वागत हलके के हलवाई...

बिजली-पाणी के बिल थारे कती ऐ माफ़ करूंगा
टीम बणा कै सारी गालां नै खुद साफ़ करूंगा
बीमारां नै मुफ्त मिलेंगें डाक्टर और दवाई...

शहर म्हू एयरपोर्टग्राम म्हं हेलीपैड बणैंगे
जोहड़ म्हं पाणी कम होया तै बारिश ड्रोन करैंगे
घर-घर सी.सी.टीवी होगें मुफ्त म्हं वाई फाई...

जीत गया तै सुख पाओगे गुण गाओगे मेरा
गलती ते भौ हरा दिया तैफेर थमने सै बेरा
खाट खड़ी कर दयूंगा सबकी ज्यै कुर्सी ना थ्याई..

कविता **राजपाल सिंह गुलिया**

भाईचारा वो आपस का

भाईचारा वो आपस का , प्रेम प्यार वो कड़ै गए ।
च्यार आदमी के कहँगे इब, बता च्यार वो कड़ै गए ॥

कड़ै गया वो हाँस्सी ठट्ठा ,कड़ै गया वो लास्सी मठ्ठा ,
आपस के इस प्रेम भाव का , किसने बठा दिया सै भट्ठा
कोळी भर - भर मिल्या करैं थे , मिलनसार वो कड़ै गए ।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम-प्यार वो कड़ै गए॥

भूलै सब अपणी रीताँ नै, सुर बदले सैं इन गीताँ नै
कोए देख कै राजी ना सै, आजकाल खाते पीताँ नै
यारबाज दुख बाँट्या करते, बात यार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

गायब सै इब हँसी ठिठोळी, बात-बात पै मारैं गोळी,
दिल इनका बेरहम घणा सै, सूरत इनकी लागें भोळी
कड़े सरम के गए रिसाले, रिसलदार को कड़े गए ।
भाईचारा वो आपस का, प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

कोसिस सभ नै करणी होगी. नई नींम याह धरणी होगी.
खाई खोदी जो नफरत की , सभनै मिलकै भरणी होगी
डगमग होर्यी नाव आज याह, कर्णधार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कवायद

निर्माण पर 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया

अंग्रेजों को 18 वर्ष लगे थे नई दिल्ली शहर बसाने में

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

वर्ष 1912 तक अंग्रेजों ने भारत में अपना साम्राज्य कलकत्ता को राजधानी बनाकर कायम किया था। बता दें कि तीसरे दिल्ली दरबार में 12 दिसम्बर 1911 को अंग्रेज सम्राट जार्ज पंचम ने दिल्ली को राजधानी घोषित किया था। दिल्ली का तीसरा दरबार मुखर्जी नगर के पास कोरोनेशन पार्क में लगा था, जिसमें प्रथम बार कोई बरतानवी सम्राट व महाराना मेरी पधारे थे।

उस समय भारत का अंग्रेज वायसराय लॉर्ड हार्डिंग था। सम्राट के साथ भारत मन्त्री मार्कविश क्रीऊ भी आया था। उस भव्यतम दरबार में भारतीय देशी शासकों, नवाबों व राजाओं के लिए सिविल लाइन में अलग से शिविर लगाए गए थे। दरबार स्थल के पास सम्राट ने अंग्रेजों की नई राजधानी की आधारशिला रखी थी। कहा गया था कि आने वाले कुछ ही वर्षों में इस स्थान पर भव्य इम्पीरियल राजधानी स्थापित होगी, लेकिन उसी दौरान कुछ ऐसी घटनाएं हुई थी जिसको अंग्रेजों के लिए अपशुकन कहा जाता है। प्रथम तो जार्ज पंचम विलायत से चले तो दुर्घटना हुई थी। दूसरी घटना, दरबार करने के बाद सम्राट के खेमे में आग लग गई। तीसरी, लार्ड हार्डिंग के जुलूस निकालते समय 23 दिसम्बर को उनके हाथी पर चांदनी चौक में बम से हमला किया गया, लेकिन उनसे भयभीत हुए बगैर लाई हार्डिंग ने कलकत्ता से दिल्ली राजधानी स्थानान्तरण का कार्य आरम्भ रखा। वह अपना प्रशासनिक मुख्यालय दिल्ली यूनिवर्सिटी में स्थापित करके विधिवत योजना बनाने में व्यस्त रहे। मैटकाफ हाऊस को काउंसिल हाउस के तौर पर प्रयोग किया गया।

नई दिल्ली स्थित वायसराय हाउस जो 1947 के बाद राष्ट्रपति भवन कहा जाने लगा।

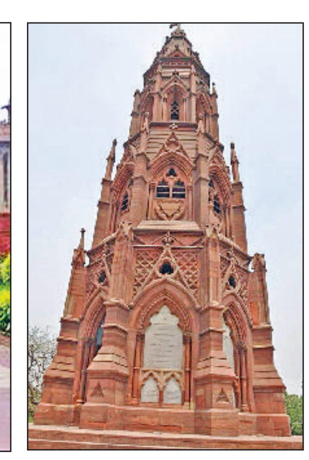

अंग्रेजों द्वारा निर्मित 1857 संग्राम का स्मारक।

नई राजधानी का अलग से शहर बसाने के लिए विशेषज्ञों की राय एवं समिति बनाई जाने लगी। इसी क्रम में सर्वप्रथम लार्ड हार्डिंग ने 17 सितम्बर 1912 को दिल्ली को एक सूबा बनाया, जो 1858 से पंजाब का एक जिला मात्र बना दिया गया था। तब तक ब्रिटेन से भी घटना विशेषज्ञों, योजनाकारों एवं अभियन्ताओं की एक महत्वपूर्ण समिति को गठित किया गया था। इसमें एडविन एन लुटियन्स, जान. ए. ब्रोडी, हरबर्ट बेकर, कैप्टन जार्ज स्वीन्टन, थामस वार्ड और जैफरी मोन्ट मोरेन्सी थे। उस ऐतिहासिक समिति को 12 मार्च 1912 को स्वीकृति प्रदान करते हुए सम्राट ने हिदायत दी कि यह आवश्यक नहीं है कि जहां शिलान्यास हुआ था, वहीं नया शहर बसाया जाए। दिल्ली की रिज को अंग्रेजों के लिए शुभ बताते हुए वहां कुछ निर्माण नहीं करना। उल्लेखनीय है कि 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में अंग्रेज सेना चार मास तक उसी रिज पर डटी रही तथा वहीं से दिल्ली पर अंग्रेज फिर से कब्जा ले सके थे। आदेशानुसार नवगठित समिति ने 28 मार्च 1912 को दिल्ली के लिए प्रस्थान किया और वहां पहुंचकर शामनाथ मार्ग स्थित मेडेन होटल में डेरा डाल दिया। तब लार्ड हार्डिंग के काफी विचार-विमर्श के बाद नए शहर के लिए स्थान निश्चित किया गया, जो मालचा नामक गांव के क्षेत्र तथा रायसिना की निम्न पहाड़ी का क्षेत्र था। इसके बाद समिति ने गांव को स्थानान्तरित करके नए शहर के भवनों का निर्माण आरम्भ कर दिया। वर्तमान राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, छावनी व अन्य मुख्यालय भवनों का कार्य आरम्भ ही हुआ था कि 1914 में प्रथम विश्वयुद्ध हो जाने से अनेक बाधाएं आई। अन्ततः 18 वर्षों के बाद वर्तमान नई दिल्ली का कार्य सम्पन्न हुआ। इसमें तब 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा कुल 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया। तब तक हार्डिंग के बाद चेम्सफोर्ड, लार्ड रिडिंग व लार्ड इर्विन दिल्ली में वायसराय के पद पर विराजमान हुए। 15 फरवरी 1931 को लार्ड इर्विन ने नई दिल्ली का उद्घाटन किया। कुछ सहयोगी भारतीय शासकों पटियाला, बड़ोदा, हैदराबाद, जयपुर व बिकानेर आदि के राजाओं के लिए भी अपने भवन बनाने के लिए नई दिल्ली में जगह दी गई थी। हालांकि, उद्घाटन के बाद केवल 16 वर्षों तक ही अंग्रेज नई दिल्ली का उपयोग कर पाए।

हरियाणवी सिनेमा में बेहतर कंटेंट कम और चुनौतियां ज्यादा : मनीषा हंस

कलाकार | **डा. तबस्सुम जहां**

मनीषा हंस वह शख़्सियत हैं जिन्हें थियेटर के माध्यम से न केवल अभिनय के गहरे संस्कार मिले हैं बल्कि वे हमेशा लीक से हटकर संजीदा व अर्थपूर्ण काम करने के लिए जानी जाती हैं। वह एक सशक्त अभिनेत्री और प्रभावी मंच संचालि होने के साथ ही एक प्रतिबद्ध सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं, जो सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। मनीषा हंस का बचपन ज्यादातर हिसार में बीता। इन्होंने बीए (संस्कृत

ऑनर्स), एमए (अंग्रेजी) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार से तथा एमए (हिंदी) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से की।

ये 1988–90 में लगातार दो बार यूनिवर्सिटी की बेस्ट एक्ट्रेस रहीं और फरवरी 1990 में राष्ट्रीय युवा उत्सव में चयनित नाटक 'कुमारसम्भव' में अभिनय किया। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित साक्षरता एवं सतत शिक्षा कार्यक्रम 'सर्च' राज्य संसाधन केंद्र, हरियाणा में 22 वर्षों तक सीनियर फ़ेलो के रूप में कार्य किया और वर्तमान में रोहतक में ज्ञान–विज्ञान आंदोलन से जुड़ी हुई हैं। साक्षरता अभियान से जुड़कर उन्हें समझ आया कि समाज के विकास में ही अपना विकास है और कला जन-उत्थान का सशक्त माध्यम है। महिलाओं के साथ काम करते हुए उन्होंने पितृसत्तात्मक समाज की सच्चाइयों को समझा और 1999 में जेंडर विमर्श पर आधारित नाटकों के माध्यम से गांवों तक यह संदेश पहुंचाया। वे लल्लन टॉप के उस मंच तक पहुंचने तथा वायरल होने के विषय में बताती हैं कि इस कार्यक्रम में बहस के दौरान हुए तर्क-वितर्क से प्रेरित होकर स्वतः स्फूर्त जावेद अख्तर साहब और मौलाना से सवाल पूछा गया। इसके पीछे उनकी कोई पूर्व नियोजित सोच नहीं थी। उनके अनुसार समाज

को बेहतर बनाना हम सबकी ज़िम्मेदारी है। कमज़ोर होते मानवीय मूल्यों के बीच एक मानवीय समाज का निर्माण ही हमारा साझा लक्ष्य होना चाहिए। वह समाज सेवा को स्वयं के लिए सुकून नहीं बल्कि जीवन भर का संघर्ष मानती हैं, उनका मानना है कि विकास आज भी एक तरफ़ा है और अवसर मुट्ठी-भर लोगों तक सीमित हैं। स्वयं उनके शब्दों में - 'मैं मानती हूं कि प्रतिभाओं की नहीं, अवसरों की कमी है, और संस्थाओं के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास से ही समाज की व्यवस्था बेहतर हो सकती है।' उनका मानना है कि समाज के सहयोग से ही व्यक्ति पहचान पाता है, इसलिए समाज के प्रति अपना ऋण समझना ज़रूरी है। मनीषा ने अपने अभिनय करियर में फ़ीचर फ़िल्मों, वेब सीरीज़, शॉर्ट फ़िल्मों, विज्ञापनों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में विविध भूमिकाएं निभाई हैं। प्रमुख फ़िल्मों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हरियाणवी फ़ीचर फ़िल्म पगड़ी द ऑनर, नई पीढ़ी (हरियाणवी फ़िल्म, अप्रदर्शित), स्टेज पर वेब सीरीज़ दहलीज़, ओटीटी सीरीज़ सुरंग (कैमियो) और तांडव (कैमियो) शामिल हैं। इसके अलावा जनेऊ, ताली, ममता, लॉक अप/डाउन, स्टूडियो एक्सरसाइज़, क्राइम स्टोरी ऑन ख़बर फ़ास्ट, ज़रक, धारां का टेम, फ़ीचर फ़िल्म धावक, पंजाबी शॉर्ट फ़िल्म छलावों की बारात के लिए वॉयस ओवर, आकाश घर तथा लाहौरी जीरा विज्ञापन में अभिनय किया है। इसके अलावा पारो, द अनओन्ड हाउस और ममता फिल्म को अनेक नेशनल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया जा चुका है। हरियाणवी फ़िल्म इंडस्ट्री के अभी तक के सफर के बारे में वह बताती हैं कि हरियाणवी फ़िल्मों में एक ओर दिखावटी गौरव और मौज-मस्ती है, तो दूसरी ओर किसान, मज़दूर और महिलाओं के संघर्ष को ईमानदारी से दिखाने की कोशिश। सीमाओं के बावजूद ऐसी फ़िल्में पैरलल सिनेमा जैसी लगती हैं और युवाओं की बढ़ती रचनात्मकता से भविष्य की उम्मीद बनती है। उनके अनुसार, दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना एक सकारात्मक कदम है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं। हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। इसके अलावा अभी हरियाणवी सिनेमा से संतुष्टि की बात नहीं है, क्योंकि बेहतर कंटेंट कम है और चुनौतियां ज़्यादा हैं। सिनेमा का दायित्व है कि वह समाज से सवाल करे और कलाकारों व स्टाफ को उचित मेहनताना देकर कला के स्तर को ऊपर उठाए। सुपवा ने हरियाणा और उत्तर भारत के छात्रों को सिनेमा-टीवी की समझ और आगे बढ़ने का अच्छा अवसर दिया है।

हरियाणा से बहुत टैलेंट मुंबई गया है तो क्या आप उसे पलायन मानती हैं या अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय फलक देने का एक अवसर। इस विषय पर मनीषा हंस ने बताया कि हरियाणा से मुंबई जाकर काम करना पलायन नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और अवसर की तलाश है, क्योंकि यहां सिनेमा का सतत माहौल और नीतिगत सहयोग पहले नहीं रहा। कला बिना अभिव्यक्ति के संभव नहीं होती, इसलिए कलाकारों ने बाहर जाकर पहचान बनाई और हरियाणवी सिनेमा की तो अभी शुरुआत ही है। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं, हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। मनीषा मानती हैं कि हरियाणा में स्टेज ऐप सिनेमा के क्षेत्र में अच्छा काम कर रहा है। इस पर कंटेंट के स्तर में सुधार शुरू हुआ है, इसे बनाए रखते हुए कलाकारों को सुरक्षा देने वाला मजबूत प्लेटफॉर्म बनना चाहिए। एक्टर यूनियन, कॉन्ट्रैक्ट, रॉयल्टी और बेहतर इन्वेस्टमेंट पर ध्यान दिए बिना उच्च स्तरीय कंटेंट संभव नहीं है।

> **वेबसीरीज़ सकारात्मक कदम**
>
> मनीषा वेबसीरीज़ और ओटीटी प्लेटफार्म का आना हरियाणवी सिनेमा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम मानती हैं, क्योंकि वेबसीरीज़ ने दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना सकारात्मक है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं।

छात्रा गजल ने किया जिले का नाम रोशन

सिरसा। गुरुग्राम में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिरसा की छात्रा गजल का मॉडल प्रथम स्थान पर रहा। जिला विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि इस राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में सिरसा जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों ने सहभागिता की। इनमें राजकीय उच्च विद्यालय कुरंगावाली से विज्ञान अध्यापक आशीष, एफएफवीआरडी राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डबवाली से जीव विज्ञान प्रवक्ता राजेंद्र कुमार, पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चौटाला से भौतिक विज्ञान प्रवक्ता नरेश कुमार, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढुडियांवाली से गणित अध्यापक बंसीलाल तथा आरोही मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, खारीसुरेरां से विज्ञान अध्यापिका मोहिनी शामिल रहीं। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्रा गजल द्वारा प्रस्तुत एसी कंडेन्सेट वाटर मॉडल ने राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं सिरसा जिले का नाम रोशन किया।

पीएम श्री विद्यालय शेखुपुर दड़ौली में लगाया शिविर

सूर्य नमस्कार के अभ्यास से ही होगा समग्र रूपांतरणः अनिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा सरकार, आयुष विभाग तथा हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वाधान में जिला फतेहाबाद के आयुष अधिकारियों के निर्देशानुसार पीएम श्री विद्यालय, शेखुपुर दड़ौली में सूर्य नमस्कार अभ्यास शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विद्यार्थियों और अध्यापकों को सूर्य नमस्कार का विशेष अभ्यास करवाया गया। आयुष योग सहायक अनिल कुमार ने जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. प्रवीण शर्मा, जिला योग कोर्डिनेटर डॉ. भारती चौहान के निर्देशानुसार व आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्वजीत जांगड़ा के मार्गदर्शन में बच्चों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाते हुए इसके लाभ बताए।

इस अवसर पर आयुष योग सहायक सतबीर सिंह ने विद्यार्थियों को योग युक्त, नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प दिलाया और प्रतिदिन योगाभ्यास को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। विद्यालय के फिजिकल एजुकेशन टीचर अभय सिंह ने भी योग और प्राणायाम को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए सभी को प्रेरित किया। प्रिंसिपल श्रवण सिहाग ने आयुष विभाग के इस प्रयास की सराहना की।

फतेहाबाद। पीएम श्री विद्यालय शेखुपुर दड़ौली में सूर्य नमस्कार का अभ्यास करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

इन्होंने भाग लिया

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रिंसिपल श्रवण सिहाग, लेक्चरर मनोज कुमार, पालाराम, सज्जन कुमार, रमेश कुमार सहित सभी विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

सभी के लिए समान रूप से लाभकारी है 'सूर्य नमस्कार'

अनिल कुमार ने कहा कि आज के भौतिकवादी युग में मनुष्य शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ महसूस कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दैनिक जीवन में प्राणायाम और सूर्य नमस्कार जैसी गतिविधियों को अपनाकर हम न केवल अपना समग्र रूपांतरण कर सकते हैं, बल्कि अपने स्वास्थ्य और धन को भी सुरक्षित रख सकते हैं। अनिल कुमार ने बताया कि सूर्य नमस्कार सभी योगासनों में सर्वश्रेष्ठ है। यह अकेला अभ्यास साधक को संपूर्ण योग व्यायाम का लाभ देने में सक्षम है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर निरोग, स्वस्थ और तेजस्वी बनता है। यह अभ्यास हर आयु वर्ग—बच्चे, युवा और वृद्धों के लिए समान रूप से लाभकारी है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम 12 जनवरी से शुरू हुए 30 दिवसीय राज्य स्तरीय सूर्य नमस्कार अभियान का हिस्सा है, जो 12 फरवरी तक निरंतर चलेगा। प्रतिभागी आयुष विभाग की वेबसाइट पर पंजीकरण करवाकर अपना प्रमाण पत्र भी प्राप्त कर सकते हैं।

पुलिस लाइन फतेहाबाद में स्वास्थ्य शिविर 250 कर्मचारियों को मिला सीधा लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुलिस लाइन फतेहाबाद में मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन स्वयं उपस्थित रहे और उन्होंने विधिवत रूप से शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सद्भावना अस्पताल फतेहाबाद के एमडी डॉ. अंशुल सहगल द्वारा पुलिस अधीक्षक का आभार व्यक्त किया। शिविर के दौरान जिलेभर से आए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गई। कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक शहर एवं भूना नरसिंह, उप पुलिस अधीक्षक साइबर एवं भट्टू कलां संजय कुमार सहित सैकड़ों पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। इस मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सद्भावना हॉस्पिटल, फतेहाबाद के सहयोग से किया गया। अस्पताल के सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ चिकित्सकों डा. अंशुल सहगल जनरल मेडिसिन एवं क्रिटिकल केयर, डॉ. मनोज चालिया हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ तथा डॉ. शुभम महतानी जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विशेषज्ञ की अनुभवी टीम ने पूरे समर्पण भाव से पुलिस कर्मियों को अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में पुलिस विभाग के 250 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने स्वास्थ्य की विस्तृत जांच करवाई। यह आयोजन इस बात का जीवंत प्रमाण बना कि जब नेतृत्व संवेदनशील होता है, तो उसका प्रभाव सीधे कर्मचारियों के जीवन और कार्यक्षमता पर पड़ता है।

शिविर के दौरान की जांच

शिविर के दौरान पुलिस कर्मियों की ब्लड प्रेशर, शुगर, बॉडी मास इंडेक्स, हृदय संबंधी जांच, ईसीजी जांच, सामान्य शारीरिक परीक्षण जैसी आवश्यक जांचें की गई।

दिल्ली घेराव और 12 की हड़ताल में अध्यापक लेंगे बढ़-चढ़कर भाग : बीर

सिरसा। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की बैठक रविवार को पटवार भवन में हुई। बैठक में जिले के सातों खंडों के प्रधान सहित बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया। जिला प्रधान बीर सिंह ने बताया कि आगामी 5 फरवरी को दिल्ली घेराव में जाने का प्रस्ताव पर सहमति की गई। उन्होंने बताया कि 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल के लिए खंड स्तर पर टीमें बना कर सभी टीचिंग, नान टीचिंग स्टाफ को हड़ताल पर रहने के लिए आह्वान करेंगे। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए, विद्यालयो में हड़ताल को 100 प्रतिशत रखने की कोशिश करने के लिए कार्य करने का कहा गया। मिड डे मील राशन सामग्री बारे कोई भी गाइडलाइन जारी न करने, छात्र संख्या अनुसार उचित मात्रा में राशन न पहुंचने व राशन गुणवत्ता निर्धारित मानक अनुसार न होने पर, अध्यापकों के स्थानांतरण पर विभाग के नकारात्मक रवैया पर विरोध दर्ज करवाने के लिए जिला कार्यकारिणी, जिला शिक्षा अधिकारी से मिलकर रोष व्यक्त करते हुए ज्ञापन देंगे।

ये रहे उपस्थित

सतपाल सिंह, विनोद कुमार, प्रहलाद राय, वरिंद्र कुमार, गुरमीत सिंह, कृष्ण कायत, नानक चंद, बूटा सिंह, धर्मवीर, राजबीर सिंह, सतनाम सिंह, भगवान सिंह, जगसीर सिंह, रविंद्र सिंह, रमेश कुमार, दर्शन सिंह, जगसीर सिंह जेबीटी, तेजपाल, बलदेव सिंह, ओम प्रकाश, रोहतास कुमार, बलदेव सिंह, आदि अध्यापक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने हेरोइन सहित युवक को दबोचा

सिरसा। पुलिस ने गश्त के दौरान सरस्वती कॉलोनी क्षेत्र से एक युवक को 6 ग्राम 19 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। एबीवीटी स्टाफ प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान आंगनवाड़ी वाली गली से होते हुए सरस्वती कॉलोनी की तरफ जा रही थी। इसी दौरान सामने से एक युवक पैदल आता दिखाई दिया। उक्त युवक ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक वापस मुडक़र भागने का प्रयास किया। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर उक्त युवक को काबू कर राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में नियमानुसार तलाशी ली तो उसके कब्जा से 6 ग्राम 19 मिलीग्राम हैरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान रवि पुत्र रामकुमार निवासी सरस्वती कॉलोनी के रूप में हुई है।

स्व. कल्पना चावला को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

सिरसा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बप्पां भारत की गौरवशाली बेटी कल्पना चावला की स्मृति में एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम हुआ जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कल्पना चावला के प्रेरणादायक जीवन, संघर्ष, उपलब्धियों और बलिदान से अवगत कराना रहा। विद्यालय के प्रवक्ता नरेश कुमार ग्रोवर मुख्य वक्ता थे। उन्होंने बताया कि कल्पना चावला का जन्म 17 मार्च 1962 को हरियाणा के करनाल में हुआ। बचपन से ही उन्हें आकाश और अंतरिक्ष के प्रति विशेष आकर्षण था। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की तथा आगे चलकर अमेरिका में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में मास्टर्स और पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त की। वर्ष 1994 में उनका चयन नासा में अंतरिक्ष यात्री के रूप में हुआ, जो भारत के लिए गर्व का विषय था। मुख्य वक्ता ने बताया कि कल्पना चावला ने अंतरिक्ष में दो बार यात्रा कर भारत का नाम विश्व पटल पर रोशन किया। उनकी पहली अंतरिक्ष यात्रा वर्ष 1997 में स्पेस शटल कोलंबिया के माध्यम से हुई, जिसमें उन्होंने सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण और सामग्री विज्ञान से संबंधित महत्वपूर्ण वैज्ञानिक प्रयोग किए। वर्ष 2003 में उनकी दूसरी अंतरिक्ष यात्रा पूर्णतः वैज्ञानिक अनुसंधान पर आधारित थी।

प्राचार्य की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह

चोपटा। खंड के गांव जोधकां के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य मूलचंद बंसल की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। राजकीय सेवा के दौरान 33 वर्षों तक शिक्षा की अलख जगाने के बाद, उनके विदाई के क्षणों में पूरा विद्यालय परिसर भावुक हो उठा। अनुशासन और विकास के पर्याय रहे प्राचार्य के विदाई समारोह मे खंड शिक्षा अधिकारी श्री सतवीर सिंह ढिढारिया व गांव के सरपंच आनंद स्वरूप ने कहा कि प्राचार्य बंसल का कार्यकाल विद्यालय के लिए स्वर्ण युग रहा है। उनके मार्गदर्शन में न केवल स्कूल की बिल्डिंग का कायाकल्प हुआ, बल्कि बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में भी जिला स्तर पर विद्यालय ने अपनी पहचान बनाई। शिक्षकों ने उन्हें एक कुशल प्रशासक व एक अच्छे मार्गदर्शक बताया। छात्रों ने अपने गुरु के प्रति सम्मान व्यक्त किया। ग्रामीणों और स्कूल स्टाफ ने उन्हें स्मृति चिह्न, शॉल और पारंपरिक पगड़ी भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर छत्रपाल गिरी, सतपाल गिरी, सुशील गिरी, दुष्यंत गिरी, उम्मदे गिरि, जितेंद्र गिरी, राजेश गिरी ,प्रवक्ता सुभाष चंद्र पारीक, सुरेंद्र कुमार खींची, एसएमसी प्रधान राकेश कुमार जांगू, प्राचार्य उमेद सिंह ढाका, प्राचार्य शीशपाल जाखड़, प्राचार्य मोना पुरी, प्राचार्य भूप सिंह सिहाग, प्राचार्य मंजू पूनिया, दीपक कुमार, सज्जन भाभू सहित जोधका विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

जिला स्तरीय प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम आयोजित

ओढां। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय ओढ़ा में जिला स्तरीय प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रेरणा एक अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम है जो शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कक्षा 8वीं से 11वीं तक के छात्रों के लिए शुरू किया गया एक अनूठा आवासीय कार्यक्रम है। गुजरात राज्य के वडनगर में स्थित यह एक सप्ताह का कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत आधुनिक तकनीक, सांस्कृतिक विरासत और नेतृत्व कौशल के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम में सिरसा जिला के केंद्रीय विद्यालय, सीबीएसई विद्यालय, राजकीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय तथा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय सहित 20 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने 'मेरे सपनों का विकसित भारत 2047' प्रेरणा कार्यक्रम में मेरा चयन क्यों किया जाए आदि विषयों पर अपने विचार चित्रकला, निबंध लेखन, कविता लेखन के माध्यम से प्रस्तुत किए। जिसमें से सर्वश्रेष्ठ चयनित विद्यार्थियों के रूप में 15 छात्र और 15 छात्राओं का साक्षात्कार के लिए चयन किया गया। साक्षात्कार समिति के अध्यक्ष व प्राचार्य नवोदय विद्यालय ओढ़ा ललित कालड़ा की उपस्थिति में समिति सदस्य नवीन लांबा, सुमन फौगाट, महेंद्र बैरवा, दीपिका उप्रेती, सुनीता देवी, कनिका मलिक, बूटा सिंह, ललित प्रताप, मनोज, अजीत सिंह ने कार्यक्रम में भागीदारी निभाई। 30 छात्र-छात्राओं में से एक छात्र और एक छात्रा का अंतिम रूप से चयन के लिए शिक्षा मंत्रालय को परिणाम भेज दिया गया है।

खबर संक्षेप

भाषण प्रतियोगिता में विक्रम सिंह प्रथम

सिरसा। सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा अंतर-महाविद्यालयी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों को दो महत्वपूर्ण एवं समसामयिक विषयों 'मनरेगा योजना का नया नाम' तथा 'ब्रिक्स का वैश्विक प्रभाव' पर अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने तथ्यों, आंकड़ों और तर्कपूर्ण विश्लेषण के माध्यम से विषयों को अत्यंत प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित श्रोताओं एवं निर्णायक मंडल ने सराहा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सीएमके कॉलेज के एम.ए. अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष के छात्र विक्रम सिंह ने अपने सशक्त तर्कों, स्पष्ट प्रस्तुति और आत्मविश्वासपूर्ण वक्तव्य के बल पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं लाला हंसराज फुटेला कॉलेज ऑफ लॉ, सिरसा से बी.ए.एलएलबी तृतीय वर्ष की छात्रा कुमारी दिव्या ने अपने प्रभावी विश्लेषण और संतुलित विचारों के माध्यम से द्वितीय स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त कॉलेज के एम.ए. अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष की छात्रा कुमारी आरती ने अपने विषय की गहरी समझ और सुव्यवस्थित प्रस्तुति के आधार पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। समापन अवसर पर बबीता मल्होत्रा ने सभी विजेता विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार की अंतर-महाविद्यालयी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना, आत्मविश्वास तथा अकादमिक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक एवं बौद्धिक कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।

3 वर्ष की आयु छूट का निर्णय सराहनीयः केहरवाला

सिरसा। भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. गंगा\सागर केहरवाला ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा पुलिस कॉन्स्टेबल सीईटी-2025 के अंतर्गत 3 वर्ष की आयु छूट देने के निर्णय को सराहनीय बताया है। डॉ. केहरवाला ने जारी बयान में कहा कि हरियाणा सरकार हमेशा युवाओं के साथ खड़ी है, समान अवसर और युवाओं के हित में सरकार ने जो फैसला लिया है, वो युवाओं के लिए नए साल की नई सागात है। उन्होंने कहा कि सीईटी उत्तीर्ण बहुत से युवा मुख्यमंत्री से मिले थे जिस पर मुख्यमंत्री ने उनकी बातों को गंभीरता से सुना और उन्होंने युवाओं के भविष्य को देखते हुए पुलिस कांस्टेबल सीईटी-2025 के अंतर्गत 3 वर्ष की आयु छूट का निर्णय लिया, जोकि सरकार का रोजगार की दिशा में ठोस कदम है। डॉ. केहरवाला ने कहा कि वर्ष 2022 के बाद सीईटी परीक्षा न हो पाने के कारण जिन योग्य युवाओं को नुकसान हुआ था, उन्हें न्याय देना सरकार ने अपना दायित्व समझा। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने चुनावी घोषणापत्र में जो वायदे किए थे, उन्हें एक-एक कर त्वरित प्रक्रिया से अमलीजामा पहनाया जा रहा है। सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर बेहद संजीदा है और युवाओं के हित में सरकार लगातार ठोस व ऐतिहासिक निर्णय लेकर युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में कदम उठा रही है। सरकार की संजीदगी से युवाओं में भी सरकार के प्रति विश्वास जगा है और उन्हें यह विश्वास हो गया है कि वे अपनी काबिलियत व मेहनत से किसी भी मुकाम को पा सकते हैं।

गोकथा 4 फरवरी से, तैयारियां जोरों पर

फतेहाबाद। श्री जाम्भा जी महाराज कृष्ण गोशाला ट्रस्ट धांगड़ में गो ऋषि स्वामी राजेन्द्रानंद महाराज की पावन स्मृति में वार्षिक महोत्सव के रूप में श्री गऊ कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य एवं दिव्य आयोजन 4 से 10 फरवरी तक किया जा रहा है। यह सात दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान श्रद्धालुओं के लिए आस्था, भक्ति और पुण्य अर्जन का विशेष अवसर बनेगा। गोशाला के प्रधान पृथ्वी आमरा ने जानकारी देते हुए बताया कि महोत्सव का शुभारंभ 4 फरवरी को प्रातः 10:15 बजे शिव मंदिर से निकलने वाली भव्य कलश यात्रा के साथ होगा, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए कथा स्थल गोशाला परिसर में पहुंचेगी। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं व युवा भक्त शामिल होंगे। इस पावन अवसर पर महंत स्वामी प्रणवानंद जी महाराज, हरिद्वार, आचार्य विश्वात्मानंद जी महाराज हरिद्वार द्वारा प्रतिदिन गोमाता की महिमा, धर्म, संस्कृति एवं मानव जीवन में गौ सेवा के महत्व पर अमृतवाणी के माध्यम से कथा का गुणगान किया जाएगा। गोकथा प्रतिदिन दोपहर 12:15 बजे से 3:15 बजे तक आयोजित होगी। गोशाला संरक्षक आत्माराम व प्रधान पृथ्वी आमरा ने बताया कि इस वार्षिक महोत्सव को सफल बनाने में गांव ढाणी माजरा, बीसला व बरसीन गांव का विशेष सहयोग रहेगा।

आवारा मवेशियों व जानवरों की समस्या से निपटने के लिए नप ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

फतेहाबाद। शहर में आवारा मवेशियों और जानवरों की समस्या से निपटने के लिए नगर परिषद प्रशासन ने एक अहम कदम उठाया है। नगर परिषद ने इस संबंध में एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया है, जिसके माध्यम से आम नागरिक प्रशासन से सीधे संपर्क कर सकते हैं। नगर परिषद की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, आवारा मवेशियों और जानवरों के प्रबंधन के लिए 98964- 14256 नंबर को हेल्पलाइन के रूप में शुरू किया गया है। इस नंबर पर कॉल कर नागरिक घायल, बीमार या सडक़ों पर घूम रहे आवारा पशुओं की सूचना दे सकते हैं। प्रशासन ने बताया कि लोगों को इस सुविधा की जानकारी देने के लिए शहर की प्रमुख सडक़ों और सार्वजनिक स्थानों पर फ्लैक्स बोर्ड लगाए गए हैं। इन फ्लैक्स बोर्डों में आवारा मवेशियों के साथ-साथ कुत्तों के चित्र भी लगाए गए हैं, हालांकि स्ट्रीट डॉग के प्रबंधन को लेकर कोई अलग से स्पष्ट जानकारी फ्लैक्स पर अंकित नहीं की गई है। नगर परिषद ने आमजन से अपील की है कि वे सडक़ों पर दुर्घटना का कारण बन रहे या गंभीर हालत में दिखने वाले पशुओं की सूचना तुरंत हेल्पलाइन पर दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। बताया जा रहा है कि नगर परिषद की यह पहल सर्वोच्च न्यायालय के दिशा- निर्देशों के तहत की गई है, जिसमें शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं और विशेष रूप से स्ट्रीट डॉग के प्रबंधन को लेकर स्थानीय निकायों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगर परिषद प्रशासन का कहना है कि इस व्यवस्था से न केवल पशुओं की। सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि आम नागरिकों को भी राहत मिलेगी।

अग्रसेन कॉलोनी वेलफेयर सोसायटी गठित

सिरसा। अग्रसेन कॉलोनी स्थित श्री हनुमान मंदिर के प्रांगण में अग्रसेन कॉलोनी वेलफेयर सोसायटी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में श्याम सुंदर गुप्ता, कुलदीप मित्तल, ओमप्रकाश मेहता, सुशील रोहतकी व सुरेश गोयल को सरंक्षक, सतपाल पारिक को प्रधान, आरके शर्मा को कार्यकारी प्रधान, कृष्ण गुप्ता को वरिष्ठ उप प्रधान, जय प्रकाश को उप प्रधान, राजेश खत्री को सचिव, साकेत गोयल को सहसचिव, अमित गोयल को कैशियर, सुमित अरोड़ा को सह कोषाध्यक्ष, राम किशन को प्रचार मंत्री, संसार भूषण दिवाकर को मीडिया प्रभारी व राजेश मोंगा को कानूनी सलाहकार नियुक्त किया गया।

चर्चा चोरी की घटना के बाद हरकत में पुलिस, ओढ़ा में दुकानदारों के साथ बैठक

रातों में सतर्कता जरूरी, दुकानदार रखें पहरेदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

क्षेत्र के गांव नुहियांवाली में एक दुकान में हुई चोरी को घटना को देखते हुए ओढ़ा थाना प्रभारी अनिल सोढ़ी ने गांव के दुकानदारों की एक बैठक बुलाई। जिसमें सभी दुकानदारों ने भाग लिया और थाना प्रभारी अनिल सोढ़ी ने उन्हें अपनी दुकानों की निगरानी हेतु पहरेदार रखने का आग्रह किया।

बैठक में शामिल गुरुद्वारा मार्किट, रॉयल मार्किट, ग्रीन मार्किट व थाना रोड के सभी दुकानदारों ने दुकानों की निगरानी हेतु पहरेदार रखने के आग्रह पर सहमति जताई और शीघ्र ही पहरेदार रखने का आश्वासन दिया। थाना प्रभारी ने कहा कि सर्दियों की इन लंबी रातों में किसी भी दुकान में होने वाली अप्रिय घटना से बचने के लिए आप अपने किसी जानकार व विश्वासपात्र व्यक्ति को पहरेदारी पर रख सकते हैं। पहरेदार की सहायता के लिए रात के समय हमारी 112 नंबर गाड़ी भी समय-समय पर उसके पास आती रहेगी ताकि दुकानों की निगरानी सुनिश्चित बनी रहे। इस दौरान थाना प्रभारी ने सभी दुकानदारों को अपना निजी मोबाईल नंबर भी सेव करवाया कि आप किसी भी समय मेरे से संपर्क कर सकते हैं।

इसके अलावा थाना प्रभारी ने दुकानदारों से कहा कि ज्यादातर नशेड़ी किस्म के लोग ही चोरी की वारदात को अंजाम देते है इसलिए आप इस प्रकार के लोगों से सावधान रहें और अगर कोई ऐसा व्यक्ति आपको तंग करता है अथवा नशे के कारोबार में संलिप्त हैं तो उसकी सूचना मुझे मेरे वॉट्सअप पर मैसेज कर जानकारी दे सकते है। सूचना देने वाले का नाम व पता पूर्णतया गुप्त रखा जाएगा।

सिरसा। थाना परिसर ओढ़ा में थाना प्रभारी अनिल सोढ़ी से बातचीत करते हुए दुकानदार। फोटो : हरिभूमि

ये हुए शामिल

इस मौके पर ग्रीन मार्केट से गुरजंट सोनी, विजय कुमार, सतीश कांसल, मनीष व भारत जैन, रॉयल मार्केट से पुष्पेंद्र शर्मा, दारा सिंह, लवी अरोड़ा, गुरुद्वारा मार्केट से कृष्ण वर्मा, कुलदीप चहल, सोनू गोयल और थाना रोड मार्केट से दिलबाग सिंह, दीपू मेहरा, राजेश अग्रवाल सहित काफी संख्या में दुकानदार शामिल हुए।

पुलिस ने 'कारगिल' के नाम से चर्चित गुरूनानकपुरा में बढ़ाई निगरानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर में नशा तस्करी को लेकर कारगिल के नाम से प्रसिद्ध हो चुके गुरूनानकपुरा मोहल्ला में पुलिस चौकी गुरु नानकपुरा की टीम द्वारा पैदल भ्रमण किया गया। इस दौरान कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया गया तथा नागरिक सुरक्षा को लेकर निगरानी बढ़ाई गई। पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रमेश ने बताया कि पैदल भ्रमण के दौरान क्षेत्र की गलियों, मुख्य चौकों एवं संवेदनशील स्थानों पर पहुंचकर स्थिति का अवलोकन किया गया। इस दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ-साथ पुलिस की दृश्य उपस्थिति के माध्यम से आमजन में सुरक्षा का भरोसा भी कायम किया गया।

उपनिरीक्षक रमेश ने बताया कि भ्रमण के दौरान चौकी स्टाफ द्वारा स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं, सुझाव एवं सुरक्षा संबंधी फीडबैक भी लिया गया। इससे पुलिस और आमजन के बीच आपसी समन्वय को मजबूती मिली। पैदल भ्रमण के दौरान किसी भी प्रकार की असामान्य गतिविधि सामने नहीं आई, हालांकि एहतियातन निगरानी को निरंतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि नियमित पैदल भ्रमण से न केवल अपराध नियंत्रण में सहायता मिलती है, बल्कि आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास भी मजबूत होता है। भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियां नियमित रूप से जारी रहेंगी। फतेहाबाद पुलिस द्वारा क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निगरानी और संवाद आधारित पुलिसिंग को प्राथमिकता दी जा रही है।

खबर संक्षेप

सेवा भारती लगएगा चिकित्सा शिविर को

टोहाना। सेवा भारती द्वारा 4 फरवरी को दमकोरा रोड स्थित मसाला फैक्ट्री कॉलोनी के गली नंबर 3 में स्थित धर्मशाला में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन जाएगा। यह जानकारी देते हुए सेवा भारती जिला प्रचार प्रमुख सुभाष जैन ने बताया कि कैंप में निशुल्क स्वास्थ्य जांच, शुगर टेस्ट एवं दवाइयां भी वितरित की जाएगी। कैंप में डॉ. शिव सचदेवा अपनी सेवाएं देंगे। यह कैंप सुबह दस बजे से 2 बजे तक लगाया जाएगा।

पूर्णिमा के उपलक्ष्य में लगाया सवामणी का भोग

टोहाना। रेलवे रोड स्थित अनाज मंडी स्थित श्री बालाजी हनुमान मंदिर में पूर्णिमा के उपलक्ष्य में सवामणी का भोग लगाया गया। अनाज मंडी से आढ़ती अजय गोयल, अशोक जैन, रामनिवास गर्ग, नराताराम, विनोद गोयल, मुकेश गर्ग, जोगी राम जैन, विनोद गोयल, प्रेमचंद गर्ग व लाजपत राय सिंगला ने मिलकर बाबा को भोग लगाया। पुजारी किशोर कुमार कुमार द्वारा पूजा करवाई गई जबकि पुजारी नंदलाल शर्मा व लीलूराम द्वारा बाबा की महिमा का गुणगान किया गया। उन्होंने बताया कि हर महीने की पूर्णिमा के दिन बाला जी को मंडी आढ़तियों द्वारा लगाया जाता है।

शब्दकीर्तन, गुरु वाणी का संदेश और समाजसेवियों का सम्मान

टोहाना में श्रद्धापूर्वक मनाया गुरु रविदास महाराज जी का 649वां जन्मोत्सव

गुरु महाराज की वाणी के संदेशों को अपने जीवन में उतारें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

भूना रोड स्थित बैंक कालोनी में संत शिरोमणि श्रीगुरु रविदास वाणी प्रचार सेवा समिति द्वारा श्रीगुरु रविदास जी महाराज जी के 649वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सत्संग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब से आए सेवादारों द्वारा शब्दकीर्तन का आयोजन किया गया। वहीं उन्होंने गुरु रविदास जी महाराज के जीवन प्रसंगों की विस्तार से व्याख्या की। समारोह में मुख्यातिथि के रुप में मैहता बूट हाउस के निदेशक अनिल मैहता ने शिरकत की। उन्होंने गुरु महाराज के चित्र के समक्ष नमन करते हुए उपस्थित समाज के लोगों को श्रीगुरु रविदास जी के जन्मदिवस की बधाई दी। प्रधान जगरुप सिंह पातलान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में अति विशिष्ट के रुप में पूर्व पार्षद रामेश्वर मुवाल, राधेश्याम गर्ग एवं सेवानिवृत एसबीआई प्रबंधक देसराज गुणपाल उपस्थित हुए। इस अवसर पर ज्योत प्रज्वलन की रस्म प्रधानाचार्या ओमवती सोढी ने किया। उन्होंने उपस्थिति को गुरु महाराज की वाणी के संदेशों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। समिति प्रधान जगरुप पातलान ने आए अतिथियों तथा समारोह में अपार योगदान देने वालों को सिरोपे तथा गुरु महाराज का स्वरूप भेंट कर सम्मानित किया।

टोहाना। मुख्यातिथि को सिरोपा भेंट कर सम्मानित करते हुए समिति के प्रधान व पदाधिकारी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मुसैदी लाल, लिछमन सिंह मुवाल, वरिष्ठ उपप्रधान राजसिंह मुवाल, उपप्रधान जोधाराम मेहरा, सचिव मास्टर अतर सिंह, कोषाध्यक्ष प्रेमसिंह मेहरा, बलवान सिंह निंबरान, डा. देवप्रकाश, एडवोकेट जसविंद्र सिंह, राजेश पेटवाड़, राजपाल बोस्ती, मास्टर रोशन लाल, डा. राजेश अल्हन, डा. ओपी ग्रोह, सोमप्रकाश, बलदेव गुणपाल, नवीन पूनिया, विकास लांबा, प्रदीप बराड़, रमेश लांबा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। बाद में लंगर का शुभारंभ पूर्व सरपंच बीरभान गहलोत ने किया। जिसमें उपस्थित महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने लंगर प्रसाद ग्रहण किया।

संत रविदास की जीवन मानवता के लिए समानता और प्रभुभक्ति का एक अनमोल मार्गदर्शन

सिरसा। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान, सिरसा द्वारा श्री गुरु रविदास महाराज के प्रकाशोत्सव पर एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आशुतोष महाराज की शिष्यों ने गुरु रविदास की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जीवन मानवता के लिए समानता और प्रभुभक्ति का एक अनमोल मार्गदर्शन है। शिष्यों ने बताया कि सोई हुई आत्माओं को जगाने के लिए समय-समय पर युगपुरुष इस धरती पर अवतरित होते हैं तो वह संसार में प्रकाश, नवचेतना और नवसृजन का संचार करते हैं तथा अज्ञानता में डूबे समाज को ज्ञान के दीपक से प्रकाशित करते हैं। संत रविदास भी ऐसे ही एक महान महापुरुष थे, जिन्होंने अध्यात्म की प्रचंड क्रांति के माध्यम से रूढ़िवादी और समाज में फैली कुरीतियों का विरोध किया। उन्होंने संपूर्ण मानव जाति को माया और स्वार्थ से ऊपर उठकर सत्य का संदेश दिया। संत रविदास ने समाज में मेलजोल और भाईचारा बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके गुरु भाई संत कबीर थे और उनके गुरु स्वामी रामानंद जी रहे। उनका विश्वास था कि राम, कृष्ण, करीम, राघव आदि एक ही परमेश्वर के अनेक नाम हैं।

शिव मंदिर धर्मशाला में गुरु रविदास जयंती धूमधाम से मनाई

सिरसा। गुरु रविदास जयंती मनाते लोग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चौपटा

शिव मंदिर धर्मशाला नाथूसरी चौपटा में गुरु रविदास जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। उपस्थित लोगों ने गुरु रविदास द्वारा दी गई शिक्षाओं पर चर्चा की और उन्हें अपने जीवन में धारण करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पीएनबी मैनेजर रिटायर्ड कुलवंत सिंह, गुरुकुल के संचालक दिनेश कुमार जांगड़ा, कृष्ण लाल, धर्मपाल, संजय, संजीव कुमार, नेकीराम, बलराम, चेनाराम, मास्टर हरपाल सिंह, हनुमान जांगड़ा सोनू, महाराज पूर्ण दा, पूर्व सरपंच सुरजीत कासनियां, आदि गणमान्य व्यक्तियों ने रविदास के दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए ऊंच-नीच, भेदभाव के साथ नशे को खत्म करने की बात कही।

फेक ब्रांड प्रमोशन स्कैम से रहें सावधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बढ़ रहे फेक बिजनेस पेज व ब्रांड प्रमोशन स्कैम को लेकर नागरिकों को सतर्क करते हुए एडवाइजरी जारी की है। उनका कहना है कि हाल के दिनों में कई युवा, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और छोटे व्यापारी इन ऑनलाइन ठगों के निशाने पर आए हैं, जो नकली कंपनियों और फर्जी ब्रांड नामों से प्रमोशन ऑफर देकर आर्थिक ठगी कर रहे हैं।

एसपी ने बताया कि फेक ठग इंस्टाग्राम, फेसबुक या अन्य प्लेटफार्म पर किसी नामी ब्रांड के नाम से पेज बनाकर लोगों को पेड प्रमोशन, ब्रांड कोलैबोरेशन या सप्लायर पार्टनरशिप के नाम पर लुभाते हैं। ये अकाउंट देखने में असली जैसे लगते हैं, जिन पर ब्रांड लोगो, प्रोफेशनल पोस्ट और हजारों फॉलोअर्स होते हैं। इसके बाद ये ठग लोगों को फर्जी एग्रीमेंट, ऑफर लेटर या लिंक भेजते हैं। जैसे ही यूजर लिंक या फेक ऐप डाउनलोड करता है, ठग उसके बैंक अकाउंट, कार्ड डिटेल या सोशल मीडिया एक्सेस चुरा लेते हैं। कई बार वे रजिस्ट्रेशन फीस, ब्रांड टैक्स या गिफ्ट चार्ज के नाम पर पैसे मंगवाते हैं और फिर संपर्क तोड़ देते हैं। एसपी ने कहा कि नागरिक किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मिले प्रमोशन या पार्टनरशिप ऑफर को सत्यापित किए बिना स्वीकार न करें। उन्होंने बताया कि कोई भी असली कंपनी हमेशा अपने आधिकारिक ईमेल या वेबसाइट से ही संपर्क करती है, न कि अनजान ष्ठरू या व्हाट्सएप नंबर से। किसी भी अज्ञात लिंक, क्यूआर कोड या फॉर्म में अपनी बैंक या कार्ड जानकारी साझा न करें।

साईबर अपराध के प्रति किया जागरूक

एसपी ने कहा कि फतेहाबाद पुलिस की साइबर क्राइम शाखा लगातार ऐसे मामलों पर नजर रखे हुए है और कई फेक अकाउंट्स की रिपोर्ट संबंधित प्लेटफार्म को भेजी जा चुकी है। एसपी ने कहा कि सोशल मीडिया पर दिखने वाला हर ऑफर असली नहीं होता। असली कंपनियां कभी भी निजी चैट या पेमेंट लिंक से पैसे नहीं मांगतीं। थोड़ी जांच और सावधानी से बड़ी ठगी से बचा जा सकता है।

बीएड कॉलेज में सात दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न

फतेहाबाद। मनोहर मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन सेवा और संवेदनशीलता के संकल्प के साथ हुआ। शिविर के अंतिम दिन स्वयंसेवकों ने न केवल स्वच्छता का संदेश दिया, बल्कि सामाजिक सरोकार निभाते हुए जरूरतमंदों की सहायता भी की। शिविर के अंतिम व सातवें दिन की शुरुआत कॉलेज परिसर स्थित कैंटीन क्षेत्र में चलाए गए विशेष स्वच्छता अभियान से हुई। इसके बाद स्वयंसेवकों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समापन अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनकी हौसला अफजाई की। शिविर के समापन पर स्वयंसेवकों ने झुग्गी बस्तियों का दौरा किया, जहां उन्होंने जरूरतमंद लोगों को कपड़े, फल और बिस्कुट वितरित कर सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। इससे पूर्व, शिविर का छठा दिन स्पोर्ट्स एवं योगा क्लब के सहयोग से स्वास्थ्य जागरूकता के नाम रहा। इस अवसर पर आयोजित योग सत्र में योग प्रशिक्षिका लक्ष्मी ने विद्यार्थियों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के गुर सिखाए। डायटीशियन मेघा बतरा ने छात्राओं को संतुलित आहार का महत्व समझाते हुए उचित खान-पान के टिप्स दिए।

लायंस क्लब फतेहाबाद गौरव ने गुरुकुल मातना में 100 बच्चों को कराया अल्पाहार वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

लायंस क्लब फतेहाबाद गौरव की ओर से गुरुकुल मातना में 100 जरूरतमंद बच्चों के लिए ब्रेड पकोड़े, जलेबी व चाय वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विशाल वधेरा व द्वितीय डिस्ट्रिक्ट गवर्नर महेश बंसल ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। दोनों अतिथियों का क्लब पदाधिकारियों ने स्वागत किया। इस अवसर पर विशाल वधेरा ने समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए क्लब अध्यक्ष नितिन मेहता को इंटरनेशनल सर्टिफिकेट से सम्मानित किया। द्वितीय डिस्ट्रिक्ट गवर्नर महेश बंसल ने क्लब के सचिव विपिन गोयल को इंटरनेशनल पिन प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यातिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि लायंस क्लब फतेहाबाद गौरव निरंतर समाज के जरूरतमंद वर्ग के लिए सेवा कार्य कर रहा है, जो सराहनीय है।

फतेहाबाद। गुरूकुल मताना में बच्चों को अल्पाहार वितरित करते क्लब सदस्य।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी लायन मुनीश गर्ग, क्लब अध्यक्ष नितिन मेहता, सचिव विपिन गोयल, कोषाध्यक्ष सौरभ गर्ग, उपाध्यक्ष विनोद गगनेजा सहित क्लब सदस्य गौरव वर्मा, गौरव गर्ग, शीतल तेहरिया, मोहित लाल, राकेश अरोड़ा व नीरज मित्तल सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

एनसीसी 'ए' सर्टिफिकेट परीक्षा में 233 एनसीसी कैडेट्स ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव खाराखेड़ी स्थित रॉयल इंटरनेशनल स्कूल में 3 हरियाणा बटालियन एनसीसी हिसार के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सुनील कटारिया के दिशा-निर्देशन मे 'ए' सर्टिफिकेट परीक्षा का आयोजन किया गया। स्कूल एएनओ सेकंड ऑफिसर पूनम बिश्नोई ने बताया कि इस परीक्षा में रॉयल स्कूल के अलावा सैनिक स्कूल खारा खेड़ी, जवाहर नवोदय विद्यालय खारा खेड़ी, शांति निकेतन पब्लिक स्कूल मंडी आदमपुर, वी एम विश्वास स्कूल मंडी आदमपुर, गवर्नमेंट संस्कृति मॉडल स्कूल मंडी आदमपुर, गवर्नमेंट संस्कृति मॉडल स्कूल फतेहाबाद के 233 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया जिनमें 162 लडक़े और 71 लड़कियां शामिल थे। परीक्षा के दौरान कैडेट्स की शारीरिक दक्षता, लिखित ज्ञान और परेड ड्रिल का मूल्यांकन किया गया। यह परीक्षा एनसीसी के प्रशिक्षण के मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण चरण होती है, जिसमें कैडेट्स को देशभक्ति, नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों के लिए परखा जाता है।

फतेहाबाद। एनसीसी 'ए' सर्टिफिकेट परीक्षा देते कैडेट्स।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर थी हरियाणा बटालियन एनसीसी हिसार से नायब सूबेदार तख्त सिंह, सूबेदार सुखविंद्र सिंह रिटायर्ड, सीएचएम शक्ति सिंह, सीएचएम बलजेन्द्र सिंह, एएनओ युनुस खान, दयानंद, रवि कंबोज एवं सीटीओ किरण, पारूल, मनोज कुमार उपस्थित रहे।

सभी कैडेट्स ने अपने प्रशिक्षण व अनुशासन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस अवसर पर स्कूल मैनेजमेंट की ओर से स्कूल संचालिका डॉ. ज्योत्स्ना, प्रशासक विक्रमादित्य, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल डॉ. डीवी नेहरा, प्रिंसिपल जानूप्रिया कथूरिया उपस्थित थे।

अग्रवाल भवन में की बैठक, रमेश सर्वसम्मति से बने प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

अनाज मंडी के समीप स्थित अग्रवाल भवन में अग्रबंधुओं की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समाज सेवा से जुड़े कार्यों को और अधिक संगठित एवं निरंतर रूप से आगे बढ़ाने को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित सदस्यों ने समाज के उत्थान, जरूरतमंदों की सहायता, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सहयोग जैसे विषयों पर अपने-अपने विचार रखे। बैठक के दौरान संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से सर्वसम्मति से रमेश गोयल को प्रधान मनोनीत किया गया। सभी अग्रबंधुओं ने उनके नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए आशा व्यक्त की कि उनके मार्गदर्शन में संगठन समाज हित में प्रभावी भूमिका निभाएगा। नवनियुक्त प्रधान रमेश गोयल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज सेवा को प्राथमिकता देते हुए सभी को साथ लेकर चलेंगे।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी बैठक में संगठन के उद्देश्य तथा कार्यप्रणाली की विस्तृत रूपरेखा तैयार की जाएगी, ताकि संगठन को एक सुदृढ़ स्वरूप दिया जा सके और समाज सेवा के कार्यों को योजनाबद्ध ढंग से आगे बढ़ाया जा सके।

टोहाना। अग्रवाल भवन में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए सुरेश कुमार सिंगला

ये रहे मौजूद

इस बैठक में टेकचंद मोदी, सुरेंद्र काला, प्रवीन चौधरी, राज पंसारी, ओंकार गर्ग, नरेश जैन, एडवोकेट नंदलाल गर्ग, प्रवीन जैन, जीवन बंसल, कृष्ण चंद बंसल, विक्रम गर्ग, विजय कांसल, सुरेश सिंगला, एडवोकेट सुभाष गर्ग, शशिभूषण गुप्ता, दयांनद सिंगला, एडवोकेट राजीव गोयल, कृष्ण गोयल, एडवोकेट निशांत जैन, नरेश मितल, अमित जैन, रमेश गर्ग, जोगीराम जैन, सुशील जैन, राज पंसारी, रामफल गर्ग, कृष्ण गुप्ता, सतपाल गर्ग, राजेश सरस्वती, महेश पिंटा, संदीप गोयल, गौरव बंसल, अनिल गर्ग, राजेंद्र गोयल, तरसेम मितल, पुलकित सिंगला आदि अग्रबंधु उपस्थित रहे।

हजार से अधिक सर्जरी करने के उपलक्ष्य में चौधरी ऑर्थोपेडिक एवं जनरल अस्पताल ने करवाई वॉकथॉन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा के चौधरी ऑर्थोपेडिक एवं जनरल अस्पताल में अब एडवांस रोबोटिक मशीन से मरीजों के घुटने बदले जाएंगे, जिससे मरीजों को समय के साथ-साथ आर्थिक जोखिम की भी बचत होगी। अस्पताल के संचालक डा. वाईके चौधरी ने बताया कि 5 हजार से अधिक सर्जरी करने के उपलक्ष्य में रविवार को आयोजित वॉकथॉन व अस्पताल के नए भवन के उद्घाटन अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। वॉकथॉन को बाबा ब्रह्मदास महाराज, ब्रह्मकुमारीज आनंद सरोवर से बहन बिंदू, सरसाईनाथ मंदिर के संत सुंदराईनाथ, नगर परिषद के चेयरमैन वीर शांति स्वरूप ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि उनका अस्पताल प्रदेश का पहला एकमात्र अस्पताल है, जहां एक साल में सबसे अधिक घुटनों की सर्जरी हुई है, जोकि सिरसा जिले के लिए गर्व की बात है। डॉ. चौधरी ने कहा कि 2001 में उन्होंने सरकारी अस्पताल से नौकरी छोडक़र चैरिटी के तौर पर अस्पताल शुरू किया था। रोबोटिक मशीन से सर्जरी करने वाले डा. चौधरी ने बताया किसामान्य सर्जरी के बाद कामकाज के लिए जहां 3 माह से अधिक समय लगता है, वहीं इस मशीन से घुटने बदलवाने के बाद 15 से 20 दिनों में मरीज सामान्य काम कर सकता है। यही नहीं खून का उतार-चढ़ाव भी नहीं करना पड़ता, जोकि मरीज के लिए काफी जोखिम भरा होता है। डा. चौधरी ने बताया कि इस मशीन से सर्जरी में मुश्किल से आधा घंटा लगता है और 3 दिन के बाद मरीज को अस्पताल से छुट्टी दे दी जाती है। उन्होंने बताया कि इस मशीन के लिए अस्पताल में अनुभवी टीम कार्य कर रही है।

सिरसा। वॉकथॉन को रवाना करती बहन बिंदू। *फोटो : हरिभूमि*

स्वच्छता | पुराने व अनुपयोगी सामान की छंटाई, मरम्मत कार्य को दुरुस्त किया जा रहा

स्वच्छ थाना-चौकी अभियान: रविवार सुबह थानों में सफाई करते नजर आए पुलिस कर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस द्वारा जिलेभर में रविवार को स्वच्छ थाना-चौकी अभियान चलाया गया। सुबह-सवेरे पुलिस कर्मचारी थानों व चौकियों में साफ-सफाई करते नजर आए। इस अभियान का उद्देश्य थाना व चौकी परिसरों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और नागरिकों के लिए अधिक अनुकूल बनाना है, ताकि पुलिसिंग के प्रति विश्वास बढ़े और आमजन को बेहतर वातावरण मिल सके।

अभियान के तहत जिले के सभी थानों व चौकियों में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी टीम भावना के साथ श्रमदान कर साफ-सफाई अभियान चला रहे हैं। इस दौरान थाना परिसर की नियमित सफाई, कार्यालयीन रिकॉर्ड का व्यवस्थित रख-रखाव, पुराने व अनुपयोगी सामान की छंटाई, मरम्मत कार्य तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है।

फतेहाबाद पुलिस का यह प्रयास केवल स्वच्छता तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे थानों की कार्यसंस्कृति में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि स्वच्छ और व्यवस्थित कार्यस्थल से पुलिस कर्मियों का मनोबल बढ़ता है और कार्य करने की क्षमता में भी सुधार आता है। साथ ही थानों में आने वाले नागरिकों को भी एक सम्मानजनक एवं सकारात्मक अनुभव मिलता है। इसी सोच के साथ इस अभियान को नियमित रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि पुलिस कार्यालयों में अनुशासन और व्यवस्था बनी रहे।

फतेहाबाद। थानों में साफ-सफाई करते पुलिस कर्मचारी।

नागरिक सुविधाओं में स्पष्ट सुधार देखा गया

अभियान के परिणामस्वरूप कई थाना परिसरों में नागरिक सुविधाओं में स्पष्ट सुधार देखा गया है। स्वच्छ पेयजल, साफ-सुथरे शौचालय, बैठने की बेहतर व्यवस्था तथा रिसेप्शन प्रणाली को अधिक व्यवस्थित किए जाने से आमजन को अब अधिक सुविधा और सहजता प्राप्त हो रही है। साथ ही रिकॉर्डों के उचित रख-रखाव से कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं तेजी भी सुनिश्चित हो रही है।